साप्ताहिक
Live not just breaTHE

दि कार्मिक पोस्ट

MPHIN/2015/63220
MP/IDC1528/22-23

Global School Of Excellence, Obedullaganj

वर्ष : 10, अंक : 1 (प्रति बुधवार), इन्दौर, 21 अगस्त 2024 से 27 अगस्त 2024 पेज : 8 कीमत : 3 रुपये

हिमालय पर जलवायु परिवर्तन का असर, नेपाल में ग्लेशियल झील फटने पर आईसीआईएमओडी ने जताई चिंता

नई दिल्ली। हिमालय पर रह रहे पहाड़ी ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के लिए बिल्कुल भी जिम्मेवार नहीं हैं, लेकिन उत्सर्जन की वजह से हो रहे जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा शिकार यही पहाड़ी समुदाय के लोग ह हिंदू कुश हिमालय पर विस्तार लेती ग्लेशियल झीलें एक बड़ा खतरा बनती जा रही हैं। चार दिन पहले यानी 16 अगस्त 2024 को नेपाल के खुम्बू क्षेत्र के एक गांव थामे में थायन्बो ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़ (जीएलओएफ) ने एक बार फिर से चिंताएं बढ़ा दी हैं।

स्थानीय मीडिया के अनुसार नेपाल में आई इस बाढ़ से 14 संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है, इसमें एक स्कूल, एक स्वास्थ्य केंद्र, पांच होटल और सात घर शामिल हैं। हालांकि यह प्रारंभिक आकलन बताया गया है। यह गांव प्रसिद्ध एवरेस्ट पर्वतारोही और वर्तमान रिकॉर्ड धारक कामी रीता शेरपा का घर है और काफी प्रसिद्ध हैं। थामे के ऊपर की ओर कई ग्लेशियल झीलें बताई जाती हैं। हिंदू कुश हिमालय पर काम कर रही संस्था दी इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटिग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के कोपरनिकस पृथ्वी अवलोकन कार्यक्रम की 2017 की उपग्रह छवियों को देखने के बाद पाया कि इन झीलों का आकार लगातार बदल रहा है।

आईसीआईएमओडी के शोधकर्ताओं ने पुष्टि की है कि उन झीलों में से कुछ अक्सर फैलती और सिकुड़ती हैं, जिससे उनमें दरार पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। आईसीआईएमओडी की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक सेंटिनल उपग्रह इमेजरी में थामे नदी के ऊपर की ओर स्थित झील के आकार में लगातार बदलाव देखा गया। आईसीआईएमओडी के मुताबिक ये झीलें ताशी लापचा दर्रे के लोकप्रिय ट्रेकिंग गंतव्य के पास स्थित हैं। पड़ोसी घाटी में इस क्षेत्र की सबसे संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलों में से एक, त्सो रोल्पा है।

आईसीआईएमओडी के वैज्ञानिक जीएलओएफ के कारणों और इसके डाउनस्ट्रीम प्रभाव की आगे की जांच कर रहे हैं, जिसमें नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग सहित राष्ट्रीय और स्थानीय एजेंसियों के प्रयासों को पूरक बनाने के लिए उपग्रह से पहले और बाद की तस्वीरें लेना शामिल है।

हिंदू कुश हिमालय में जल, बर्फ, समाज और पारिस्थितिकी तंत्र पर आईसीआईएमओडी के 2023 के आकलन में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से हिंदू कुश हिमालय के ग्लेशियर, बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट बड़े पैमाने पर अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। इतना ही नहीं, ये परिवर्तन सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 26 करोड़ लोग हिंदू कुश हिमालय के पहाड़ों में रहते हैं और ये पहाड़ी समुदाय पहले से ही ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने, बर्फबारी के पैटर्न में बदलाव, पानी की उपलब्धता में बढ़ती परिवर्तनशीलता और क्रायोस्फीयर से संबंधित खतरों की बढ़ती घटनाओं के प्रभावों के साथ रह रहे हैं, जो उनके जीवन और आजीविका पर सीधा प्रभाव डाल रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि बाढ़ और भूस्खलन में वृद्धि होने का अनुमान है। खासकर जलवायु परिवर्तन की वजह से जल और क्रायोस्फीयर संबंधी आपदाएं पिछले कुछ सालों में रिकॉर्ड की गई हैं। बर्फ का तेजी से पिघलते पानी, बड़ी और खतरनाक झीलें, पिघलते हुए पर्माफ्रॉस्ट से अस्थिर ढलान और नदियों में बढ़ते तलछट के भार के माध्यम से ये आपदाएं आई हैं। पर्वतीय ग्लेशियरों के पीछे हटने से ग्लेशियल झीलों का आकार और संख्या बढ़ गई है, और 21वीं सदी के अंत तक पूरे हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियल झील के फटने से बाढ़ के जोखिम में तीन गुना वृद्धि का अनुमान है, और यह अनुमान लगाया गया है कि हम 2050 तक 'जीएलओएफ जोखिम के चरम' पर पहुंच जाएंगे। हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में 25,000 से अधिक ग्लेशियल झीलें हैं, जिनमें से 47 संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलें (पीडीजीएल) नेपाल के कोशी, गंडकी और करनाली नदी घाटियों, चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और भारत में स्थित हैं। उच्च पर्वतीय एशिया जीएलओएफ के जोखिम के लिए एक वैश्विक हॉटस्पॉट है। एक नई ग्लेशियल लेक इंवेंटरी रिपोर्ट के अनुसार लगभग दस लाख लोग ग्लेशियल झील के 10 किमी के भीतर रहते हैं। साथ ही, ग्लेशियल झीलों की संख्या और आकार में वृद्धि जारी रहने वाली है। आईसीआईएमओडी के मुताबिक 16 अगस्त, 2024 को झील के टूटने से पहले नेपाल मानक समय के अनुसार सुबह 10.46 बजे झील का आकार लगभग 0.05 वर्ग किमी था। हमारा अनुमान है कि यह टूट उसी दिन दोपहर 1.25 बजे के आसपास हुई। आईसीआईएमओडी क्रायोस्फीयर विश्लेषक और सेव अवर स्नो अभियान के संस्थापक तेनजिंग चोग्याल शेरपा, सोलुखुम्बु क्षेत्र के ही रहने वाले हैं, जहां बाढ़ आई थी। प्रेस को जारी एक बयान में उन्होंने कहा, इस बाढ़ ने एक गांव के कुछ हिस्सों को बहा दिया, जिसे मैं अच्छी तरह से जानता हूँ, जहां दोस्त, पड़ोसी और रिश्तेदार रहते हैं, जहाँ पीढ़ियों से उनके पैतृक संबंध हैं। उन्होंने आगे कहा, पहाड़ों में रहने वाले लाखों लोगों ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सचमुच कुछ भी योगदान नहीं दिया है, लेकिन इन उत्सर्जनों के विनाशकारी प्रभावों का सामना वे लोग ज्यादा कर रहे हैं। इस बयान में उनकी तरफ से कहा गया है, विज्ञान स्पष्ट है- जी20 अर्थव्यवस्थाओं को जीवाश्म ईंधन से अपने संबंधों को खत्म करना चाहिए और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में तेजी लानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अनुकूलन, नुकसान और क्षति निधि प्रभावित समुदायों तक पहुंचे। पर्वतीय समुदायों के लिए – इस पर तत्काल कार्रवाई के लिए अपनी आवाज उठाएं। इस मुद्दे पर विश्व स्तर के नेताओं की निरंतर निष्क्रियता एक जोखिम पैदा कर रही है।

सिक्किम-तीस्ता बांध पर भूस्खलन से एनएचपीसी भवन और 6 घर क्षतिग्रस्त

सिक्किम सिक्किम के सिंगताम कस्बे के पास बालुतार में नेशनल हाइड्रो पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) स्टेज 5 बांध स्थल पर सुबह 7.30 बजे एक बड़ा भूस्खलन हुआ, जिसमें एनएचपीसी, जीआईएस भवन और छह घर क्षतिग्रस्त हो गए। सिंगताम-डिकचू सड़क पर भी बड़ी दरारें पड़ गई हैं, जिससे यहां से आना-जाना बंद हो गया है।

जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, वे कालू छेत्री, कुल बहादुर सुब्बा, आनंद तमांग, धनराज राय, नीरू हंगमा सुब्बा और तरण बहादुर छेत्री के हैं। सभी निवासियों को निकाल कर बालुतार में एनएचपीसी गेस्ट हाउस में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसे राहत शिविर में तब्दील कर दिया गया है। सिंगताम-डिकचू सड़क की दुर्गमता के कारण, उसी सड़क के साथ दोचुम के माध्यम से एक अस्थायी मोड़ बनाया गया है। एनएचपीसी प्लांट हेड के अनुसार, नुकसान का आकलन करने और साइट की बहाली के लिए उपायों के बारे में बताने के लिए दिल्ली से एनएचपीसी की एक तकनीकी टीम के आने की उम्मीद है। गटोक के जिला कलेक्टर तुषार निखारे ने भूस्खलन स्थल का दौरा किया और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को क्षतिग्रस्त सड़क पर तत्काल बहाली कार्य शुरू करने का निर्देश दिया है। बीआरओ ने आश्वासन दिया है कि सड़क को जल्द से जल्द चालू कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, खान एवं भूविज्ञान विभाग को भूस्खलन की विस्तृत जांच करने और अल्पकालिक और दीर्घकालिक बहाली प्रयासों के लिए सिफारिशें प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

हर युवा को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिए- मंत्री श्री राजपूत

एक पेड़ माँ के नाम का संदेश देने साइकिल से भारत भ्रमण पर निकले सुरखी के युवा

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि देश के हर युवा को प्रकृति और पर्यावरण की प्रति चिंतित रहना चाहिए। तभी आने वाले समय में हम कई प्रकार की परेशानियों से बच पाएंगे। श्री राजपूत ने यह बात भारत भ्रमण की यात्रा पर एक पेड़ मां के नाम का संकल्प लेकर निकले युवकों कों हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए कही।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने इन युवाओं के संकल्प तथा यात्रा के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश के हर युवा को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। श्री राजपूत ने कहा कि हमारे लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का पर्यावरण के लिए संदेश, संकल्प एक पेड़ माँ के नाम अब जन अभियान बन चुका है और लोग जागरुक हो रहे हैं। उन्होंने तीनों युवाओं के लिए नई साइकिल और जरूरी सामग्री इस अभियान के लिये दी। उल्लेखनीय है कि एक पेड़ मां के नाम का संकल्प तथा संदेश को लेकर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चंदौनी से विशाल ठाकुर, हीरालाल प्रजापति, राकेश ठाकुर साइकिल से निकले हैं। यह युवा पूरे भारत भ्रमण करते हुए पौधरोपण करेंगे तथा जगह-जगह पौधा लगाते हुए एक पेड़ माँ के नाम का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाएंगे। भारत यात्रा के लिए निकले हीरालाल प्रजापति ने बताया कि पर्यावरण सुरक्षा तथा एक पेड़ माँ के नाम का संदेश पूरे देश को देना है और पर्यावरण के प्रति भारत के लोगों को जागरूक करना है। भारत यात्रा के बाद हम सभी लोग दिल्ली पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पर्यावरण तथा एक पेड़ मां के नाम का संदेश पूरे देश में साइकिल से भ्रमण करके देने के लिए निकले राकेश ठाकुर का कहना है कि हमारी सुरखी विधानसभा क्षेत्र के नाम से देश के हर हिस्से में हम वृक्ष लगाएंगे। हमारा 5 लाख वृक्ष लगाने का संकल्प है। इसके लिए खाद्य मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा हम सभी के लिए साइकिल प्रदान की गई। साथ ही आवश्यक सामग्री सहित हम सभी को शासन-प्रशासन के नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं। उनके इस सहयोग से हमारा यह अभियान सरल और सुगम होगा।

बहनों के आशीर्वाद से प्रदेश को देश का नम्बर वन राज्य बनायेंगे -मुख्यमंत्री डॉ.यादव

उज्जैन में लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री ने किया बहनों से संवाद

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनों के अशीर्वाद से मध्यप्रदेश को देश का नम्बर वन राज्य बनायेंगे। रक्षाबंधन पर बहनों का स्नेह ही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज उज्जैन के रघुनन्दन गार्डन पंवासा, सुमन गार्डन एवं शिवांजली गार्डन में आयोजित लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रम में उपस्थित बहनों से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। दुनिया भारत देश एवं भारतीय संस्कृति की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सरकार का समाज के साथ सरोकार होना चाहिये। सरकार को समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन त्यौहार के पहले ही सरकार ने प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों के खाते में प्रतिमाह मिलने वाली राशि 1250 के अतिरिक्त रक्षाबंधन शगुन के रूप में 250 रुपये भी जमा कराये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन-अपेक्षाओं के अनुरूप सरकार लगातार काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर पूरा उज्जैन शहर आज आनन्द में डूब गया है। यह हम सबका सौभाग्य है कि हम भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन के वासी हैं। प्रारम्भ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और कन्याओं का पूजन भी किया। बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रतीक स्वरूप बड़ी राखी भेंट की और उपस्थित बहनों से अपने भैया मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कलाई पर राखी भी बांधी। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को रक्षाबंधन पर उपहार भी भेंट किये। मुख्यमंत्री ने बहनों को अपने हाथों से झूला भी झुलाया और बहनों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत-अभिनन्दन किया। जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री फिरोजिया, राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथजी एवं विधायक श्री जैन ने सम्बोधित कर बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं और बधाईयां दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, श्री जितेन्द्र पण्ड्या, श्री तेजबहादुर सिंह चौहान, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री श्याम बंसल, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, आईजी श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण एवं बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें उपस्थित थीं।

मैं लाड़ली बहनों का मुख्यमंत्री नहीं मुख्य सेवक हूं-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

हम सबके भैया, मोहन भैया के नारों से गूंजा- लाड़ली बहना रक्षाबंधन कार्यक्रम

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कहा है कि मैं लाड़ली बहनों का मुख्यमंत्री नहीं मुख्य सेवक हूं। बहनों से ही सम्पूर्ण परिवार की खुशहाली होती है और बहनें परिवार की समृद्धता का प्रतीक होती हैं। बहनों के समद्धशाली होने से परिवार में भी सम्पन्नता आती है। प्रदेश की लाड़ली बहनों में सम्पन्नता आती है तो मध्यप्रदेश भी आर्थिक रूप से खुशहाल और संपन्न होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज लाड़ली बहना रक्षाबंधन पर्व के कार्यक्रम के तहत उज्जैन के होटल सॉलिटेयर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लाड़ली बहनों ने कलाई पर राखी बांधकर आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहनों पर पुष्प-वर्षा की और उन्हें स्नेहपूर्वक झूला झुलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भाई-बहन के असीम स्नेह एवं अटूट रिश्ते के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की हृदय से शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की लाड़ली बहनों से मिले आशीर्वाद और विश्वास से मैं भाव-विभोर हूँ। बहनों से मिले आशीर्वाद का ही प्रताप है कि प्रदेश विकास के रथ पर निरन्तर चलायमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अनादिकाल से ही बहनों को देवी के रूप में पूजा जा रहा है। हमारे तीज-त्यौहार समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में पिरोते हैं। भारतीय संस्कृति तीज-त्यौहारों से समृद्ध है। तीज-त्यौहारों से बने सांस्कृतिक सम्बन्धों की वजह से हमारी भारतीय संस्कृति अनादिकाल से सतत रूप से विकासशील है। यूनान, मिस्र व रोम आदि पुरानी सभ्यताएं अपना वैभव खो चुकी हैं, परन्तु भारतीय संस्कृति तीज-त्यौहारों की समृद्धता के साथ कई आक्रांताओं के प्रहार के बावजूद भी चट्टान की तरह अखण्ड वैभव लिये खड़ी है और विश्व में अपना परचम लहरा रही है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन कार्यक्रम के माध्यम से आप सभी बहनों का आशीर्वाद प्राप्त करने आया हूं।

इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री सतीश मालवीय, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, श्री विवेक जोशी, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला, श्री विशाल राजौरिया, श्री पंकज मिश्रा, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री श्याम बंसल, श्री संजय अग्रवाल, श्री हर्षवर्धन सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, पार्षदगण और बड़ी संख्या में लाड़ली बहनें उपस्थित रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सोनल मेहता केलिए प्रतीक्षा ग्राफिक्स, 127 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 209-बी शहनाई रेसीडेंसी-2 कनाड़िया रोड इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: डॉ. सोनल मेहता फोन : 0731-2595008 Mail.sonal12mehta@yahoo.co.in 9755040008